

سُورَةُ الْاِنْفِطَارِ

Surah 82 — Al-Infitaar (The Cleaving) · Meccan · 19 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ إِذَا السَّمَاءُ انْفَطَرَتْ

जब आसमान तख्त जाएगा

2

وَإِذَا الْكَوَاكِبُ انْتَثَرَتْ

और जब तारे झड़ पड़ेंगे

3

وَإِذَا الْبِحَارُ فُجِّرَتْ

और जब दरिया बह (कर एक दूसरे से मिल) जाएँगे

4

وَإِذَا الْقُبُورُ بُعْثِرَتْ

और जब कब्रें उखाड़ दी जाएँगी

5

عَلِمَتْ نَفْسٌ ۖ مَا قَدَّمَتْ وَأَخَّرَتْ

तब हर शख्स को मालूम हो जाएगा कि उसने आगे क्या भेजा था और पीछे क्या छोड़ा था

6

يَا أَيُّهَا الْإِنْسَانُ مَا غَرَّكَ بِرَبِّكَ الْكَرِيمِ

ऐ इन्सान तुम्हें अपने परवरदिगार के बारे में किस चीज़ ने धोका दिया

7

الَّذِي خَلَقَكَ فَسَوَّكَ فَعَدَلَكَ

जिसने तुझे पैदा किया तो तुझे दुरुस्त बनाया और मुनासिब आज्ञा दिए

8

فِي أَيِّ صُورَةٍ ۚ مَا شَاءَ رَكَّبَكَ

और जिस सूरत में उसने चाहा तेरे जोड़ बन्द मिलाए

9

كَأَلَّا بَلْ تُكَذِّبُونَ بِالَّذِينَ

हाँ बात ये है कि तुम लोग जज़ा (के दिन) को झुठलाते हो

10

وَإِنَّ عَلَيْكُمْ لَحَافِظِينَ

हालॉकि तुम पर निगेहबान मुकर्रर हैं

11

كَرَامًا ۚ أَلَا كُتِبِينَ

बुर्ज़ुग लोग (फरिश्ते सब बातों को) लिखने वाले (केरामन क्रातेबीन)

12

يَعْلَمُونَ مَا تَفْعَلُونَ

जो कुछ तुम करते हो वह सब जानते हैं

13

إِنَّ الْأَبْرَارَ لَفِي نَعِيمٍ ۚ

बेशक नेको कार (बेहिश्त की) नेअमतों में होंगे

14

وَإِنَّ الْفُجَّارَ لَفِي جَحِيمٍ ۚ

और बदकार लोग यक्रीनन जहन्नुम में जज़ा के दिन

15

يَصْلَوْنَهَا يَوْمَ الدِّينِ

उसी में झोंके जाएँगे

16

وَمَا هُمْ عَنْهَا بِغَائِبِينَ

और वह लोग उससे छुप न सकेंगे

17

وَمَا أَدْرَاكَ مَا يَوْمُ الدِّينِ

और तुम्हें क्या मालूम कि जज़ा का दिन क्या है

18

ثُمَّ مَا أَدْرَاكَ مَا يَوْمُ الدِّينِ

फिर तुम्हें क्या मालूम कि जज़ा का दिन क्या चीज़ है

19

يَوْمَ لَا تَمْلِكُ نَفْسٌ لِّنَفْسٍ ۚ شَيْءٌ ۚ ا ۚ وَالْأَمْرُ يَوْمَئِذٍ لِلَّهِ

उस दिन कोई शख्स किसी शख्स की भलाई न कर सकेगा और उस दिन हुक्म सिर्फ़ खुदा ही का होगा